स्टार्टअप की नई नीति से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : अजीत सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स राज्यमंत्री अजीत सिंह पाल ने कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में स्टार्टअप के क्षेत्र में यूपी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार ने स्टार्टअप की नई नीति लागू की है जिसका उद्देश्य प्रदेश को इस क्षेत्र में देश के टॉप तीन राज्यों में शामिल करना है। इस नीति से प्रदेश में बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित होंगे और निवेश भी बढ़ेगा।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के उत्तर प्रदेश चैप्टर की ओर से बुधवार को नाबार्ड, सिडबी एवं ए एंड ए ग्रुप ऑफ कंपनीज के सहयोग से स्टार्टअप ई-कॉन्क्लेव एक वर्चुअल संवाद सत्र आयोजित किया गया।

प्रदेश में निवेश बढ़ाने में जुटी है योगी सरकार

इसको संबोधित करते हुए अजीत सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार आईटी के क्षेत्र में तरक्की के लिए लगातार प्रयास कर रही है। चिकित्सा क्षेत्र में भी आईटी की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर जिले में कम से कम एक इनक्यूबेटर की स्थापना की जा रही है। सरकारी खरीद में स्टार्टअप को वरीयता दी जा रही है। विश्वविद्यालयों व विद्यालयों में नवाचार और उद्यमिता विकास के पाठ्यक्रम शामिल किए जा रहे हैं।

पीएचडी चैंबर के प्रेसिडेंट संजय अग्रवाल ने कहा कि यूपी स्टार्टअप हब वाला एक शक्तिशाली प्रदेश है। पिछले कुछ वर्षों में इसने निवेशकों, इनक्यूबेटरों व सरकार के साथ सहयोग के कारण स्टार्टअप के लिए एक स्थिर वातावरण बनने से एक आशाजनक वृद्धि का संकेत दिया है। मौके पर नाबार्ड के चीफ जनरल मैनेजर डॉ. डीएस चौहान व आईआईटी कानपुर के इन्क्यूबेशन सीईओ डॉ. निखिल अग्रवाल ने भी इस क्षेत्र से जुड़ीं उपलब्धियां गिनाईं।